

प्रेषक,

अरविन्द सिंह ह्यांकी,
अपर सचिव,
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

प्रमुख अभियन्ता,
लोक निर्माण विभाग,
देहरादून।

लोक निर्माण अनुभाग-2

देहरादून, दिनांक: 12 मार्च, 2015

विषय:- वित्तीय वर्ष 2014-15 में लोक निर्माण विभाग के अन्तर्गत अनुदान सं0:-22/31 विभिन्न मदों में पुनर्विनियोग के माध्यम से धनराशि स्वीकृत किये जाने के सम्बन्ध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक आपके पत्र सं0- 8580/01 बजट (मार्ग/सेतु चालू कार्य)/2014-15 दिनांक 16-02-2015, पत्र सं0- 8581/25 बजट (एन0पी0वी0 भुगतान-सा0से0)/2014-15 दिनांक 16-02-2015, पत्र सं0- 7934/06 बजट (टी0एस0पी0-चालू कार्य)/2014-15 दिनांक 14-01-2015 के सन्दर्भ में एवं शासनादेश सं0:- 2261/111(2)/14-01(बजट)/14 दिनांक 07 अप्रैल, 2014, शासनादेश सं0:- 4232/111(2)/14-01(बजट)/2014 दिनांक 14 जुलाई, 2014, के क्रम में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि वित्तीय वर्ष 2014-15 के आय-व्ययक में अनुदान सं0:-22/31 की आयोजनागत पक्ष के अन्तर्गत बाह्य सहायतायोजना में हो रही सम्भावित बचतों तथा राज्य योजना/अनुसूचित जनजाति उपयोजनान्तर्गत विभिन्न मदों में अतिरिक्त धनराशि की आवश्यकता को देखते हुए संलग्न बी0एम0-9 में उल्लिखित विवरणानुसार ₹ 105.00 करोड़ (एक सौ पाँच करोड़ मात्र) की धनराशि ब्यावर्तित करते हुए, व्यय हेतु, आपके निर्वतन पर रखे जाने की माननीय श्री राज्यपाल निम्नांकित शर्तों के अधीन सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं:-

(i)- इस सम्बन्ध में यह सुनिश्चित कर लिया जाय कि संलग्न पुनर्विनियोग प्रस्तावानुसार स्वीकृत धनराशि का ब्यावर्तन अन्य मदों में नहीं किया जायेगा।

(ii)- उक्तानुसार अवमुक्त की जा रही धनराशि को उपलब्ध कराई गई कार्यवार/खण्डवार सूची के अनुसार सी0सी0एल आवंटित की जायेगी।

(iii)- आयोजनागत पक्ष की विषयगत योजनाओं हेतु तत्काल सी0सी0एल0 निर्गत कर उसकी प्रति शासन को भी प्रेषित की जायेगी। विभागाध्यक्ष का यह दायित्व होगा कि प्रत्येक खण्ड से समय से योजनाओं का विवरण प्राप्त करके समय से उसकी साख सीमा निर्गत करायें ताकि स्वीकृत की जा रही धनराशि का समय से उपयोग हो सके और योजना का लाभ जनता को प्राप्त हो सके।

(iv)- वित्तीय हस्तपुस्तिका खण्ड V भाग-1 के प्राविधानों के सभी समस्त औपचारिकतायें पूर्ण होने के बाद ही आवश्यकता के अनुसार धनराशि आवश्यकता होने पर ही आहरित एवं वितरित की जायेगी।

(v)- इस सम्बन्ध में अपर मुख्य सचिव, वित्त अनुभाग-1, उत्तराखण्ड शासन के पत्र सं0:-318/XXVII(1)/2014 दिनांक 18-03-2014, पत्र सं0:- 622/XXVII(1)/2014 दिनांक 26 जून, 2014 एवं पत्र सं0:-983/XXVII(1)/2014 दिनांक 11 दिसम्बर, 2014 में उल्लिखित शर्तों का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित किया जायेगा।

(vi)- उत्तराखण्ड में लागू समस्त वित्तीय नियमों तथा उत्तराखण्ड अधिप्राप्ति नियमावली के अधीन ही समस्त प्रक्रियायें पूर्ण की जायेंगी तथा ऐसे कार्य जो मानक के अनुसार 18 माह में पूर्ण होने चाहिये, ऐसे प्रकरणों में अधिवृद्धि या शेड्यूल रेड्स की दरों में कोई वृद्धि नहीं की जायेगी।

(vii)- साख सीमा मानक के अनुसार प्रत्येक त्रैमास में निर्गत की जायेगी तथा यदि मानक से अधिक साख सीमा की आवश्यकता हो तो तत्काल शासन से इस सम्बन्ध में अनुमति प्राप्त की जायेगी।

(viii) साख सीमा के आधार पर आवंटित धनराशि का एकमुश्त आवंटन आहरण वितरण अधिकारी/कार्य स्थल पर किया जाय एवं उसका पूर्ण विवरण बी0एम0 के प्रस्तर-10 में भरकर शासन/महालेखाकार को उपलब्ध कराया जायेगा।

(ix)- जिन प्रकरणों पर शासन से पूर्वानुमति की आवश्यकता हो उन पर यथाशीघ्र सुस्पष्ट विवरण एवं प्रस्ताव शासन को उपलब्ध कराया जायेगा।

(x)- इस सम्बन्ध में होने वाला व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2014-15 के आय-व्ययक में अनुदान सं०-22/31 के अन्तर्गत संलग्नक में उल्लिखित सुसंगत लेखा शीर्षकों एवं प्राथमिक इकाईयों के नामें डाला जायेगा ।

(xii)- यह आदेश वित्त अनुभाग-2 के अशासकीय संख्या:- 102/XXVII(2)/2014 दिनांक: 11 मार्च, 2015 में प्राप्त उनकी सहमति से जारी किये जा रहे हैं।

संलग्नक:- यथोपरि।

भवदीय,

(अरविन्द सिंह ह्यांकी)
अपर सचिव

संख्या- 1824 (1)/111(2)/15-01(बजट)/2014टी0सी0, तददिनांक।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :-

- 1- महालेखाकार (लेखा प्रथम) ओवरॉय मोटर्स बिल्डिंग, माजरा देहरादून।
- 2- मुख्य/वरिष्ठ कोषाधिकारी, देहरादून।
- 3- एकीकृत भुगतान एवं लेखा कार्यालय (साईबर ट्रजरी), 23 लक्ष्मी रोड, डालनवाला, देहरादून।
- 4- वित्त अनुभाग-2, उत्तराखण्ड शासन।
- 5- निदेशक राष्ट्रीय सूचना केन्द्र, उत्तराखण्ड देहरादून।

आज्ञा से,
(ए०एस० पांगती)
उप सचिव

शासनादेश सं०-1824 / 111-(2)/15-01(बजट)/2014टी०सी० दिनांक/2 मार्च, 2015 का संलग्नक

अनुदान सं०-22/31 लेखाशीर्षक-5054 लोक निर्माण कार्य पर पूंजीगत परिव्यय
(आयोजनागत)

(धनराशि लाख ₹ में)

क्र० सं०	मद/योजना का नाम /उपमद	वित्तीय वर्ष 2014-15 में कुल बजट प्राविधान (प्रथम अनुपूरक + द्वितीय अनुपूरक सहित।	वर्तमान में अवमुक्त की जा रही धनराशि
1	2	3	4
1	पुलों का निर्माण/सुदृढीकरण (अनुदान सं०-22)	5054- लोक निर्माण कार्य पर पूंजीगत परिव्यय 03- राज्य मार्ग 101- पुल 03- पुलों का निर्माण एवं सुदृढीकरण -00 24- ग्रहण निर्माण कार्य	4000.00 1000.00
2	निर्माणाधीन मार्ग कार्य (रा०से०) (अनुदान सं०-22)	5054- लोक निर्माण कार्य पर पूंजीगत परिव्यय 04- जिला तथा अन्य सड़कें 800- अन्य व्यय 03- राज्य सैक्टर 01- चालू निर्माण कार्य 24- ग्रहण निर्माण कार्य	50730.00 8500.00
3	सड़क/भवन/सेतु कार्यों का प्रतिकर एवं एन०पी०वी० भुगतान (अनुदान सं०-22)	5054- लोक निर्माण कार्य पर पूंजीगत परिव्यय 04- जिला तथा अन्य सड़कें 800- अन्य व्यय 05- सड़क/भवन/सेतु आदि हेतु भूमि अधिग्रहण-00 24- ग्रहण निर्माण कार्य	5370.00 500.00
4	टी०एस०पी०-चालू कार्य (अनुदान सं०- 31)	5054- सड़क तथा सेतुओं पर पूंजीगत परिव्यय 04- जिला तथा अन्य सड़कें 796- जनजातीय क्षेत्र उपयोगना 02- चालू निर्माण कार्य-00 24- ग्रहण निर्माण कार्य	4800.00 500.00
	योग:-	64900.00	10500.00

(₹ एक सौ पैंच करोड़ मात्र)

(ए०एस०पांगती)
उप सचिव।